an>

Title: Regarding atrocities against dalits in Uttar Pradesh.

श्री छोटेलाल (राबर्ट्सगंज) : सभापति जी, मैं उत्तर प्रदेश की बिगड़ी हुई कानून-व्यवस्था की तरफ सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। उत्तर प्रदेश में आए दिन लूटपाट, हत्या एवं बलात्कार की घटना से जंगलराज की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

उत्तर प्रदेश शासन के पुलिस, दरोगा द्वारा आए दिन निषाद, मल्लाह व गरीब दलित आदिवासी तथा भाजपा कार्यकर्ताओं को गलत मुकदमों में फंसाया जा रहा है तथा गरीब दलित औरतों पर बुरी निगाह रखते हैं व जाति सूचक शब्दों से गाली का प्रयोग किया जाता है, जो कि सरासर अन्याय है। इस समस्या से नक्सलवाद को बढ़ावा मिलेगा, जो ठीक नहीं है। यह बहुत ही गम्भीर मामला है।

महोदय, इस संबंध में जब मैं 20.7.2014 को क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान था, तब मुझे ग्रामीणों द्वारा पता चला कि सोनभद्र जिला के अंतर्गत ओबरा सी.ओ. एवं थाना जुगैल का दरोगा अन्य पुलिसकर्मी और एक दबंग जाति के लठैत के इशारे पर चौरगांव अगोरी निषाद जाति के लोगों की थाने में ले जाकर जमकर पिटाई की गई एवं गलत मुकदमें में फंसाकर जेल भेज दिया गया। पूरा परिवार भय से भागे-भागे फिर रहा है। चुनाव के समय से ही भाजपा कार्यकर्ताओं को फर्जी मुकदमों में फंसाया जा रहा है। हारने के बाद और तेजी से फंसाया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिला के 26 थानों में से 20 थानों में थाना प्रभारी एक विशेष जाति के हैं। साथ ही साथ सोनभद्र जिला के एसपी, सीओ भी एक ही विशेष जाति के हैं। जबकि सोनभद्र जिला दलित आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। भारत में एकमात्र लोक सभा क्षेत्र जहां से 80 सांसद आते हैं राबर्ट्सगंज (सोनभद्र जिला) है, जहां पर चार प्रदेशों का बॉर्डर लगता है। छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार एवं मध्य प्रदेश की सीमाएं उससे लगती हैं।

अतः मैं सदन के माध्यम से माननीय गृह मंत्री जी से मांग करता हूं कि उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में घटित इस पूरी घटना के आंकलन हेतु एक केन्द्रीय उच्च स्तरीय जांच कमेटी बनाकर एवं इन उपरोक्त बातों के आधार पर समयबद्ध कार्रवाई की जाए, ताकि उत्तर प्रदेश को जंगलराज से मुक्ति दिलाकर जनता को न्याय दिलाया जाए।